Nai Dunia (Hindi) (Indore ed.) 07th June 2013, Page-02

सूर्यास्त आज : सायं 07:09.35 | सूर्योदय कल : प्रात: 05:41.35 | शुभ समय : प्रात: 07:23-09.03, दिन 02.17-03.49

बारिश देखकर पक्के बनाए हेलीपैड, दोपहर 12 बजे तक पूरी व्यवस्था होगी चाकचौबंद

हेलीपैड से 3 मिनट में डोम तक पहुंचेंगे प्रणब दा

आईआईटी दीक्षांत समारोह

इंदौर। आईआईटी के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होने आ रहे राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गुरुवार को, जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने सुबह से रात तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कारकेड, अस्पताल, सुरक्षा, विमानतल, हेलीपैड सहित सभी बिंदुओं की बारीकी से जांच की। राष्ट्रपति के लिए सेना के तीन हेलिकॉप्टर इंदौर पहुंच गए हैं। हेलीपैड से तीन मिनट में राष्ट्रपति कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाएंगे।

गुरुवार सुबह साढ़े दस बजे कमिश्नर संजय दुबे, आईजी विपिन माहेश्वरी, कलेक्टर आकाश त्रिपाठी, डीआईजी राकेश गुप्ता, एडीएम आलोक सिंह सहित अन्य अधिकारी सिमरोल स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचे। अधिकारियों ने हेलीपैड व कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। बाद में वाहनों के काफिले के साथ अधिकारियों ने पूरे रूट पर भ्रमण किया। दोपहर में कलेक्टर श्री त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी एमवायएच पहुंचे। इमरजेंसी के दौरान की जाने वाली सभी व्यवस्थाओं को लेकर डॉक्टरों से चर्चा की और उन्हें चौबीस घंटे अलर्ट रहने वाली एक टीम तैनात करने के निर्देश दिए। फिर अफसर विमानतल पहुंचे। यहां भी अधिकारियों ने राष्ट्रपति के आगमन से लेकर प्रस्थान तक की पूरी योजना पर विचार-विमर्श किया।

शुक्रवार दोपहर को होने वाली फाइनल फुल ड्रेस रिहर्सल में आईआईटी के चेयरमैन अजय पिरामल भी मौजूद रहेंगे। ग्राफिक्स मोहन सिंह सोलंकी

तीन हेलिकॉप्टर पहुंचे

गुरुवार को राष्ट्रपति के लिए सेना के तीन हेलीकॉप्टर इंदौर पहुंच गए। उनके साथ आई टीम ने इंदौर विमानतल, सिमरोल और उज्जैन हेलीपैड का निरीक्षण किया। राष्ट्रपति इन्हीं हेलीकॉप्टरों से इंदौर विमानतल से सिमरोल और बाद में उज्जैन जाएंगे।

सुबह 11 बजे बैठक

शुक्रवार सुबह 11 बजे कमिश्नर संजय दुबे कलेक्ट्रेट कार्यालय सभागार में राष्ट्रपति यात्रा में तैनात अफसरों से चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति की यात्रा के लिए पहले ही अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई थी।

डामर का हेलीपैड

जून में बारिश होने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने राष्ट्रपति के लिए डामर का हेलीपैड बनवाया है। हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की सड़क भी पक्की बनाई गई है।

सभी तैयारियां पूरी

राष्ट्रपति के कार्यक्रम के लिए सभी व्यवस्थाएं फुलप्रूफ की गई हैं। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर बनाए गए डोम, एसी, फायर सेफ्टी, मंच, हेलीपैड आदि का निरीक्षण किया। निर्माण में जुटी सभी एजेंसियों को शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक कार्य पूरा होने का प्रमाणपत्र देने के लिए कहा गया है।

संस्थान के अपने ही कर्मचारी समारोह से दूर

गैर शिक्षक स्टाफ को आने की अनुमति नहीं

लोकेश सोलंकी >> इंदौर

8 जून को आईआईटी इंदौर का पहला दीक्षांत समारोह होना है। आईआईटी निदेशक ने गैरशिक्षक स्टाफ को दीक्षांत समारोह से दूर रहने के निर्देश दिए हैं। शिक्षकों और सीनेट में शामिल अधिकारियों के अलावा अन्य किसी कर्मचारी को दीक्षांत समारोह में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई है।

निदेशक प्रो.प्रदीप माथुर के आदेश के बाद संस्थान में सिर्फ शिक्षकों को ही समारोह के निमंत्रण पत्र और पास दिए गए हैं। समारोह से दूर रखे गए लोगों में न केवल आईआईटी के गैरशिक्षक कर्मचारी शामिल हैं बल्कि ज्यादातर अधिकारी भी समारोह में भाग नहीं ले सकेंगे। आईआईटी के अधिकारियों में सिर्फ उन्हीं को दीक्षांत समारोह में आने का न्यौता दिया गया है जिनका समारोह की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मंच पर बैठना या मौजूद रहना जरूरी है। इनमें आईआईटी के रजिस्ट्रार भी शामिल हैं। अपने ही संस्थान के पहले सबसे बड़े समारोह से दूर किए जाने से आईआईटी के कर्मचारी-अधिकारी नाराज हैं।

परिवार सहित आमंत्रण

शिक्षकों और गैरशिक्षक कर्मचारियों के बीच आईआईटी भेदभाव कर रहा है। जहां प्रत्येक शिक्षक को समारोह में अपने साथ चार परिजन या अतिथि लाने की छूट दी जा रही है वहीं अन्य अधिकारी-कर्मचारियोंको शामिल होने की अनुमति ही नहीं दी गई है।

कुछ नहीं कहना

मैं इस बारे में कुछ भी टिप्पणी नहीं कर सकती। जिनकी मौजूदगी जरूरी है वे सभी समारोह में होंगे।

डॉ.निर्मला मेनन, मीडिया अधिकारी आईआईटी

रेसीडेंसी व सिमरोल तक सुरक्षा रिहर्सल

गुरुवार को एयरपोर्ट से रेसीडेंसी व सिमरोल तक सुरक्षा रिहर्सल की गई।

इंदौर। राष्ट्रपति मुखर्जी के 8 जून को आगमन के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन ने गुरुवार को सुरक्षा रिहर्सल की। एयरपोर्ट से रेसीडेंसी और रेसीडेंसी से सिमरोल कार्यक्रमस्थल तक कारकेट निकला। अफसरों ने व्यवस्था का निरीक्षण किया और सुरक्षा बल को दिशानिर्देश दिए। शुक्रवार शाम 4 बजे फाइनल रिहर्सल की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था में एक आईजी, दो डीआईजी सहित करीब 40 अफसर और डेढ़ हजार सुरक्षाकर्मी मौजूद रहेंगे। कमिश्नर संजय दुबे, कलेक्टर आकाश त्रिपाठी के साथ आईजी विपिन माहेश्वरी डीआईजी राकेश गुप्ता ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एयरपोर्ट पर सुरक्षा की कमान एएसपी आबिद खान और कमांडेट आरएस मीणा को सौंपी गई है। यहां करीब पांच सौ सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। व्यवस्था में रिजर्व कारगेट सहित तीन कारगेट तैनात रहेंगे। तैनात अफसरों और बलों को डीआरपी लाइन, एयरपोर्ट, सिमरोल व रेसीडेंसी पर अफसरों ने दिशा निर्देश दिए। -नप्र

जनप्रतिनिधियों के प्रति ठीक रवैया नहीं

इंदौर। आईआईटी इंदौर के लिए अर्जुनसिंह के मानव संसाधन मंत्रीत्व काल में श्रीमती महाजन ने काफी प्रयास किए थे। जब इंदौर को यह संस्थान देने का फैसला हुआ तब श्री सिंह ने श्रीमती महाजन को मंत्रालय में बुलाकर कहा था कि आप मुझसे आईआईटी इंदौर को देने की बात कहती थीं इसलिए मैने इंदौर के पक्ष में निर्णय कर दिया। शिलान्यास के दौरान उन्होंने सांसद को अपने साथ मंच पर स्थान दिया था।

नहीं बुलाया, नहीं जाएंगे

राष्ट्रपति के इंदौर आगमन के दौरान विमानतल पर अगवानी करने वालों की सूची में अपना नाम न होने पर श्रीमती महाजन ने कहा कि प्रशासन नहीं बुलाएगा तो नहीं जाएंगे। ऐसा क्यों और कैसे हुआ इस बारे में संबंधित लोगों से बात तो करूंगी। मैं राष्ट्रपति से यह कहते हुए माफी मांग लूंगी कि प्रशासन ने मुझे आमंत्रित नहीं किया इसलिए अपने शहर में मैं आपका स्वागत नहीं कर पाऊंगी।

जनप्रतिनिधियों का अपमान

विधायक अश्विन जोशी ने विमानतल पर स्वागत के लिए सांसद व विधायकों को नहीं बुलाए जाने को जनप्रतिनिधियों का अपमान बताया और कहा कि वे इस मामले को मुख्यमंत्री व विधानसभाध्यक्ष के सामने भी रखेंगे। जोशी ने कहा कि वे केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री को आईआईटी प्रशासन के रवैये को, लेकर पत्र भी लिख रहे हैं।

राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त खनिज निगम के उपाध्यक्ष गोविंद मालू ने कहा कि मैंने राष्ट्रपति के भोपाल राजभवन स्थित अस्थायी कार्यालय को फैक्स भेजकर मामले में विरोध दर्ज करवाया है। उन्होंने कहा कि श्रीमती महाजन को आईआईटी की स्थापना में उनकी भूमिका को देखते हुए कार्यक्रम मंच पर स्थान मिलना चाहिए। विमानतल पर स्वागत के लिए जनप्रतिनिधियों को निमंत्रित न करने के मुद्दे पर भी उन्होंने आक्रोश जताया। -नप्र

भोपाल में भीड़ जुटाने मुंह अंधेरे जुटे विवि अधिकारी

गुरुवार अल सुबह विवि परिसर में भोपाल जाने के लिए इकट्ठा हुए छात्र।

इंदौर। गुरुवार को भोपाल में हुए राष्ट्रपति मुखर्जी के कार्यक्रम के लिए छात्रों को जुटाने की कवायद में विवि अधिकारियों को मुंह अंधेरे जुटना पड़ा। तड़के 4 बजे विवि के आरएनटी परिसर में विद्यार्थी इकट्ठा होने लगे थे।

भोपाल से विवि को चार सौ विद्यार्थी भेजने का लक्ष्य दिया गया था। पहले विवि ने बड़े सरकारी कॉलेजों को विद्यार्थी भेजने के लिए कहा था। ओल्ड जीडीसी और न्यूजीडीसी के अलावा अन्य सरकारी कॉलेज का सहयोग नहीं मिला। दोनों गर्ल्स कॉलेज ने 45 से ज्यादा छात्राएं विवि भेजीं। होलकर कॉलेज और न्यू साइंस कॉलेज दोनों मिलकर 15 छात्र भी नहीं भेज सके। विवि ने संख्या पूरी करने के लिए सेंटपॉल और आईपीएस कॉलेज की मदद ली। आईपीएस ने अपनी दो बस भर विद्यार्थियों को भोपाल भेजा। भोपाल जाने के लिए बसों की व्यवस्था भी निजी कॉलेजों ने ही की थी। सुबह छह बजे तक विवि कैंपस से पांच बसों को भोपाल के लिए रवाना किया गया। इनमें करीब ढाई सौ विद्यार्थी सवार थे। -नप्र